

तारीख
हुकम


15/01/2020

पत्रावली प्रस्तुत की गई। वकील वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 उपस्थित। वकील वादी एवं प्रतिवादी द्वारा दिनांक 23.12.2019 को की गई बहस, प्रासंगिक राजस्थान फास्ट कारी अधिनियम के प्रावधान एवं प्रस्तुत न्यायिक दृष्टान्तों पर मजबूत किया गया।

न्यायालय की राय में प्रतिवादी संख्या 1 की ओर से प्रस्तुत प्रार्थना पत्र आदेश 7 नियम 11 व धारा 151 अन्तर्गत लिखित प्रक्रिया रूढ़ि स्वीकार किया जाना उचित है। फलतः प्रतिवादी संख्या 1 द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत आदेश 7 नियम 11 एवं धारा 151 सीपीसीए तद्वारा स्वीकार किया जाता है एवं वादी द्वारा प्रस्तुत वादपत्र बाबत स्थायी निवेधाज्ञा नामंजूर किया जाता है।

निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया। विस्तृत निर्णय पृथकतः लिखा गया जावेगा।

पत्रावली फैसल शुमार बाद तकमील नंबर से कम होकर टाजिल दफतर है।


15/01/2020
(पवन कुमार)
उपरखण्ड अधिकारी
अनूपपारा

